बीज तकनीकी एवं उद्यानिकी विभाग, शा. होलकर विज्ञान महाविद्याय, इन्दौर म.प्र.

–ःप्रेस नोटः–

भारत सरकार की “एक भारत श्रेष्ठ भारत योजना” के अंतर्गत होलकर विज्ञान महाविद्यालय में आज दिनांक 09 /12/ 2020 को महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ सुरेश सिलावट के मार्गदर्शन में नवम्बर माह की गतिविधि हेतु एक ऑनलाइन गूगल मीट आयोजित की गई।

प्राध्यापक वनस्पति, विभागाध्यक्ष बीज तकनीकी एवं उद्यानिकी व EBSB प्रभारी डॉक्टर किसलय पंचोली ने क्लब की पूर्ववर्ती गतिविधियों को संक्षेप में बताने के पश्चात कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कहा कि महाविद्यालय के होनहार और उत्साही विद्यार्थियों को कोविड-19 के समय में मणिपुर और नागालैंड की ऑनलाइन यात्रा एवं यात्रा से उनके व्यक्तित्व में विकास करवाने के उद्देश्य से यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है।

कार्यक्रम की प्रमुख वक्ता आईआईटियन और सोलो ट्रैवलर सुश्री नूपुर अग्रवाल ने ‘मणिपुर नागालैंड का सफरनामा’ शीर्षक से अपने एकल यात्रा वृतांत प्रस्तुत किए। आपने नागालैंड की जुकू वैली और कोहिमा वार बैटल सीमेंट्री तथा मणिपुर की लोकताक झील व केयबुल लामजाओ नेशनल पार्क के बारे में अत्यंत रोचक जानकारियां दीं।

आपने बताया कि मेघालय के सुव्यवस्थित छोटे-छोटे घर कितने सुसज्जित रहते हैं। नागालैंड के परिवार में पालतू भालू से मिलना कितना रोमांचक था। जमी हुई नदी पर ट्रैकिंग का आनंद अनोखा होता है। आप ने विद्यार्थियों से कहा कि हर यात्रा हमें कुछ सीख देती है। वह हमें पूर्वाग्रहों को छोड़ने में मदद करती है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी डॉ रमेश चंद्र दीक्षित ने की। अतिथि परिचय डॉ प्रतिभा मजूमदार ने दिया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ पुष्पा मकवाना ने किया एवं कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय की छात्रा सुश्री माही शर्मा ने किया।

कार्यक्रम उपरांत मैडम नूपुर में विद्यार्थियों से कुछ प्रश्न पूछे जिनके सटीक जवाब देकर विद्यार्थियों ने अपना और होलकर कॉलेज का नाम रोशन किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।

बीज तकनीकी एवं उद्यानिकी विभाग, शा. होलकर विज्ञान महाविद्याय, इन्दौर म.प्र.

शा. होलकर विज्ञान महाविद्यालय द्वारा दिसम्बर माह में सुश्री नूपुर अग्रवाल द्वारा ''मणिपुर और नागालैंड का सफरनामा'' विषय पर व्याख्यान का आयोजिन दिनांक 09/12/2020 को किया गया था।

मेघालय के छोटे सुसज्जित घर और खत्म हो रहे फ्लोटिंग आईलैंड देखे

सिटी रिपोर्टर. इंदौर

आईआईटियन और सोलो ट्रैवलर नूपुर अग्रवाल ने कहा कि मेघालय में घर छोटे लेकिन इतनी खूबसूरती से सुसज्जित किए जाते हैं कि उनकी यह सुंदरता मन मोह लेती है। हर यात्रा हमें कुछ न कुछ नया सीखाती है और हमें नए अनुभव देती है। ये यात्राएं हमें पूर्वाग्रहों से मुक्त करती हैं। यह बात उन्होंने होलकर कॉलेज के ऑनलाइन किए गए कार्यक्रम में कही। वे मणिपुर और नागालैंड का सफरनामा विषय पर अपने अनुभव साझा कर रही थीं। उन्होंने कहा कि मणिपुर की लोकताक झील में फ्लोटिंग आईलैंड हैं जिसे फुमड़ी कहते हैं। इस पर वेजीटेशन होता है लेकिन यहां बाहरी मानवीय गतिविधियों के कारण ये खत्म हो रहे हैं क्योंकि झील का पानी सूख रहा है।

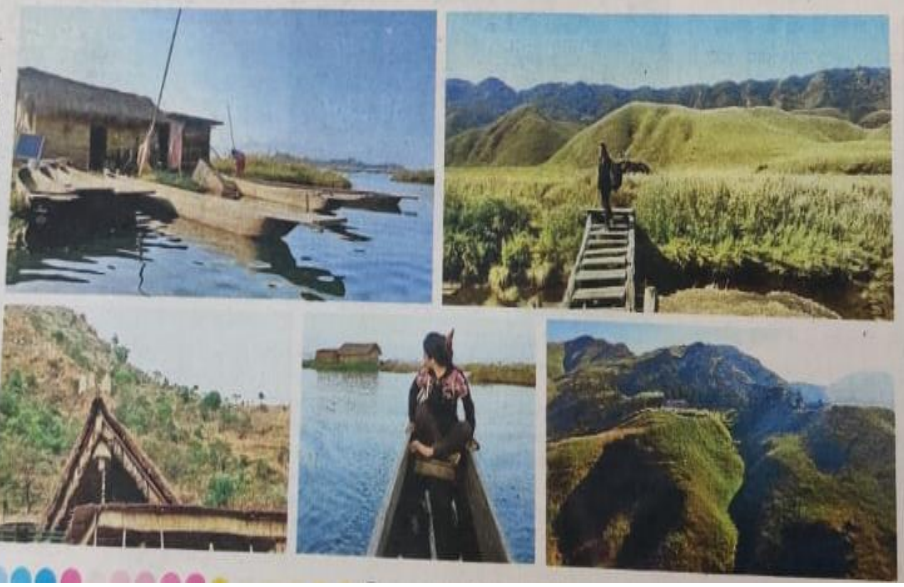

कार्यक्रम का मकसद था यात्रा से व्यक्तित्व विकास

उन्होंने नगालैंड की जुकू वैली और कोहिमा वार बैटल तथा मणिपुर की लोकताक झील के बारे में रोचक जानकारियां दी। यह कार्यक्रम भारत सरकार की एक भारत श्रेष्ठ भारत योजना के तहत किया गया। इसका मकसद यात्रा से व्यक्तित्व विकास था। डॉ. किसलय पंचोली ने कॉलेज के इको क्लब की जानकारी दी और अध्यक्षता डॉ. रमेशचंद्र दीक्षित ने की। संचालन माही शर्मा ने किया। डॉ. पुष्पा मकवाना ने आभार माना।

इंदौर, गुरुवार 10 दिसंबर 2020 | 2 | प्रभातकिरण | महानगर

बर्फ-जमी नदी पर खेलकूद का आनंद!

इंदौर : नगर प्रतिनिधि। भारत सरकार की 'एक भारत श्रेष्ठ, भारत योजना' के चलते होलकर विज्ञान महाविद्यालय में नवंबर की गतिविधि ऑनलाइन हुई। कार्यक्रम की वक्ता आईआईटियन और सोलो ट्रैवलर नूपुर अग्रवाल ने 'मणिपुर नगालैंड का सफरनामा' शीर्षक से एकल यात्रा के जरिए अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि लोगों में अक्सर ट्रेवलिंग का शौक होता है, जिसके चलते वे हर बार नए शहर, नई संस्कृति को देखने समझने के लिए निकल पड़ते हैं, लेकिन पूरी जानकारी न होने के कारण कुछ लोग धोखा भी खा लेते हैं, इसलिए जहां भी जाना हो, तो वहां के बारे में रिसर्च करें और पहचान के लोगों से पता करें।

नूपुर अग्रवाल

उन्होंने कहा कि मेघालय के छोटे-छोटे घर व्यवस्थित होने के साथ ही बेहद खूबसूरत होते हैं। जमी हुई नदी पर ट्रैकिंग का आनंद अनोखा होता है। हर यात्रा हमें कुछ सीख देती है। वह नई बातें, नई संस्कृति और दिमागी सोच को मजबूत करती है। साथ ही पूर्वाग्रह को छोड़ने में मदद करती है। नूपुर बताती है कि यहां की संस्कृति और लोगों का विनम्र स्वभाव दिल छू लेने वाला है। यहां के दिलकश नजारे आपका मन मोह लेने के लिए काफी है, इसलिए यह धरती का स्वर्ग माना जाता है। कुदरती नजारों से भरपूर हरियाली, मनमोहक वादियों और आकर्षक सनसेट हैं। अधिकतर भाग पहाड़ी होने से साल भर मौसम खुशनुमा बना रहता है। यहां का खान-पान और वस्त्र भी औरों से अलग है। पहाड़ी क्षेत्र होने से यहां लोग मांस-मछली अधिक खाते हैं। नागालैंड की सुंदरता जादू करने वाली है। यहां यात्रा के दौरान कोहिमा, मोन, फेरेन, दीमापुर, फेक, वोखा को देखकर पक्का अपने होश खो बैठेंगे। लोग बहुत ही मिलनसार हैं। यहां मौजूद जुकोऊ घाटी जरूर आएं ये बेहद खूबसूरत होने के साथ-साथ ट्रैकर्स के लिए जन्नत मानी जाती है। ये घाटी कोहिमा शहर से 30 किलो मीटर दूर है। घाटी समुद्र से बेहद ऊपर है, जहां से पहाड़ों के सुंदर नजारे, रंग-बिरंगे फूल, झरने इस जगह कि सुंदरता में चार चांद लगा देते हैं। वहां की बैटल सीमेंट्री, मणिपुर की लोकताक झील व केयबुल लामजाओ नेशनल पार्क के बारे में खास जानकारियां दीं। अध्यक्षता महाविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी डॉ. रमेशचंद्र दीक्षित ने की।